involve larger financial outlay both on the part of the Centre and State Government concerned, action has been taken to set up a few higher institutes for teaching Sanskrit under the Ministry's scheme for establishment of Adarsh Sanskrit Mahavidyalayas. This scheme provides for grant-in-aid up to 95 per cent on approved items of expenditure.

Railway service in Andal-Sainthia section

7384. DR. SARADISH ROY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to improve the performance of railway services in Andal-Sainthia section;

(b) if so, when and the details thereof; and

(c) details of steps taken in this regard, so far?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) The performance of Passenger and Goods trains on Andal-Sainthia section has been satisfactory.

(b) and (c). Dot not arise.

अलाभप्रद लाइनें

7385. **श्री मूलचन्द डागा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ऐसी अलाभप्रद ब्रांच लाइनों की संख्या क्या है, जिन्हें वर्ष में 15 लाख रुपये से अधिक का घाटा हुआ है और उसके क्या कारण है ; और

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इन अलाभप्रद ब्रांच लाइनों से कुल कितनी हानि हुई है और रेलवे इन अलाभप्रद ब्रांच लाइनों को कब तक चलाता रहेगा?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) प्रतिवर्ष वार्षिक लेखों के संदर्भ में विभिन्न शाका लाइनों की आर्थिक दृष्टि से समीक्षा की जाती है तथा तदनुसार अलाभप्रद शाखा लाइनों की संख्या निर्धारित की जाती है। वर्ष 1980–81 के दौरान ऐसी अलाभप्रद शाखा लाइनों की संख्या, जिनसे 15 लाख रुपये से अधिक का घाटा हुआ, 51 थीं। घाटे के कारणों, में, यातायात का कम घनत्व, मीटर लाइन प्रणाली में स्थानान्तरण में आसान भिन्नता की असुविधा, कम दूरी तथा सड़क यातायात से स्पर्धा, शामिल हैं ।

(ख) 1978–79 से 1980–81 के वर्षो के दौरान ऐसी अलाभप्रद शाखा लाइनों से कुल 69–71 करोड़ रुपये का घाटा हुआ ।

अलाभप्रद शाखा लाइनों को बन्द करने के सम्बन्ध में निर्णय, साधारणत: सम्बन्धित राज्य सरकारों, जिनकी प्रतिक्रिया ऐसे प्रस्तावों के सम्बन्ध में अभी तक अनुकूल नहीं रही है के साथ विचार-विमर्श करके किया जाता है ।

केन्द्र सरकार के अधीन विश्वविद्यालय

7386. **श्री मूल चन्द डागा.** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में उन विश्वविद्यालयों के नाम और संख्या क्या हैं, इस समय जिनका खर्चा केन्द्र सरकार वहन करती है ;

(ख) इस प्रकार के प्रत्येक विश्वविद्यालय म विद्यार्थियों की संख्या कितनी है और उन पर प्रतिवर्ष कितना व्यय किया जाता है ; और